आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597;   खंड 3/अंक 2/मार्च 2023

अनुक्रमणिका

संपादकीय — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 139-140

शोधालेख

- दलित उपन्यासों में समाजबोध — डॉ. मो. माजिद मियाँ — 141-147
- छत्तीसगढ़ पंचायती राज व्यवस्था में ग्रामीण विकास के लिए ग्राम पंचायत की भूमिका का अध्ययन — पुरूषोत्तम कूमार साहू — 148-159
- अनुवाद रचना और संरचना — सौम्यश्री हेच.डी — 160-162
- आधुनिक हिन्दी साहित्य मे महिला सहित्यकारों का योगदान — डॉ.सुधा मनी — 163-168
- कैद में है बुलबुल ‘बाबल तेरा देश में’, उपन्यास की आवाज — श्वेता मिश्रा — 169-173
- किन्नर जीवन की त्रासदी का अफ़साना- दमियाना — डॉ. प्रकाश कृष्णदेव धुमाल — 174-184
- आधुनिक भारतीय उपन्यासों में – भीष्म प्रतिज्ञा – वृत्तांत — डॉ. एम्. रजनी — 185-189

- भीतर की औरत के साथ जाने की ललक –
  कमलकुमार का उपन्यास "मैं घूमर नाचूँ" — के.एस. करुणालक्ष्मी — 190-194
- फीजी में विवाह संस्कार-
  'भतवान' की रस्मों का अध्ययन — डॉ. सुभाषिनी लता कुमार, सरिता चंद — 195-200
- समय की रेत पर कन्नड़ लोरी के
  अमिट निशान — डॉ. सुमा टी. रोडनवर — 201-206

कविताएं

- क्या समृद्धि,अभिमान का द्वार है — डॉ. धर्मेंद्र सिंह — 207
- आइए — प्रो. हूबनाथ — 208-209

नाटक

- तबाही — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 210-230

कहानियाँ

- अपॉइन्टमेंट — डॉ. रेनू यादव — 231-234
- पहचान — डॉ. अश्विनी सचिन सदावर्ते — 235-237

साक्षात्कार

- डॉ. मुक्ता से मुक्त बातें — डॉ. ज्योति ज्ञानेश्वरी — 238-243

****